परमेश्वर संयुक्त करता है

स्तुति - परमेश्वर, उसके गुण, उसके नाम व उसके स्वभाव की स्तुति ।

विशेषता: परमेश्वर संयुक्त करता है

परिभाषा: तकसी सामान्य उद्देश्य या कायय केतिए एक साथ आना या ाािना

पवित्र शास्त्र(ओं): 2 इतिहास 30:11-12; यूहन्ना 17:22-23; 1 कुरिन्थियों 12:12-13

कबूल - धीमे स्वर में, क्षमा करनेवाले परमेश्वर से, पापो को कबूल करना

यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। 1 यूहन्ना 1:9

धन्यवाद् - यहोवा ने हमारे लिए जो कुछ दिया है, उसके लिए धन्यवाद् करो।

हर बात में धन्यवाद करो: क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है। 1 थिस्सलुनीकियों 5:18

मध्यस्थता - दूसरों की ओर से प्रार्थना में परमेश्वर के पास आना

अपने बच्चों के लिए - प्रत्येक माँ एक बच्चे को चुनती है। पहले वचन प्रार्थना करे फिर कोई एक विशेष अनुरोध के लिए।

पवितर् शास्त र्: , परमेश्वर, _______ पूरी तरह से तिनमर् और सौम्य बने; धैयय रखें, दूसर ं क पर्ेम से सहें। हि

शांतत केबंधन केमाध्यम से आत्मा की एकता बनाए रखने केतिए हर संभि पर्यास करे।

इतितसय ं 4:2-3

पहली माँ की बच्चों के लिए विशेष अनुरोध:

दूसरी माँ की बच्चों के लिए विशेष अनुरोध:

तीसरी माँ की बच्चों के लिए विशेष अनुरोध:

शिक्षक / स्टाफ

पवित्र शास्त्र: अपने बच्चे के लिए नीचे दिए गए वचन का उपयोग करें।

कि तू_________________ की आंखे खोले, कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; कि पापों की क्षमा, और उन लोगों के साथ जो तुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मीरास पाएं। प्रेरितों के काम 26:18

स्कूल से संबन्धित चिंता

1. अपने विद्यालय में जागृति और आत्मिक बेदारी के लिए प्रार्थना करें।
2. अपने स्कूल के कर्मचारियों और छात्रों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

3. अपने स्कूल कि अन्य चिंताओं के लिए प्रार्थना करें।

MIPI चिंता

1. दुनिया भर में हर स्कूल प्रार्थना में शामिल हो ।
2. परमेश्वर इस सेवा को एकता मे शुद्ध और निष्कलंक रखे व इसकी सुरक्षा करे।
3. मसीह के लिए अधिक बच्चों, स्कूलों व राष्ट्रों को प्रभावित करने के लिए, अनेक दान देनेवाले सेवकाई के साथ जुड़े।

याद रखें, इस समूह में जो प्रार्थना की जाती है, इसके भीतर ही रहता है!

Moms in Prayer INTERNATIONAL™
MomsInPrayer.org